शक्ति निकेतन के फरिश्ते

● राजनारायण, बनारस (उ.प्र.)

मैं अप्रैल, 2013 में परमात्म मिलन हेतु माउन्ट आबू गया था। वहाँ मैंने प्यारे-प्यारे शिव बाबा से मिलन मनाया। अगले दिन घोषणा हुई कि शक्ति निकेतन, इन्दौर होस्टल की कन्याओं की शानदार प्रस्तुति होगी। निश्चित समय पर डायमण्ड हॉल में उपस्थित हुआ। अन्य प्रस्तुतियों के साथ-साथ मल्लखम्भ पर 6-7 कन्याएँ अपना करतब दिखा रही थीं। इन कन्याओं की एकाग्रता, बैलेंस, अदम्य साहस और उत्साह-उमंग देखते बनता था। मेरे आश्चर्य का ठिकाना तब और नहीं रहा जब ब्रह्माकुमारी विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी जी ने मुक्त कंठ से इनकी प्रशंसा की और विशेष टोली और भेंट आदि प्रदान की। उस वक्त मेरे मन में यही विचार चल रहा था कि ऐसे करतब, जिन्हें या तो लड़कों को करते देखा था या सर्कस में, करने वाली इन कन्याओं की परवरिश किनके द्वारा की जाती है। अपनी जिज्ञासा को शान्त करने के लिए मैंने इन्दौर जाने का मन बना लिया।

आखिर वह समय आ गया। मैं इन्दौर के पॉश एरिया न्यू पलासिया में पहुँचा जहाँ ब्रह्माकुमारीज़ के इन्दौर जोन का कार्यालय ओमशांति भवन स्थित है। इसी प्रांगण में इन कन्याओं का शक्ति निकेतन होस्टल है। वहाँ पर मुझे एक बहन होस्टल दिखाने लगी जिसमें बैठक हाल, डायनिंग हॉल, किचन, कम्प्यूटर रूम, ऑफिस, अनाज भंडार, मेडिटेशन हॉल, लायब्रेरी, कन्याओं के रूम जिनमें डबल स्टोरी पलंग, बड़ी-सी एक छत जिस पर कन्याएँ गेम्स आदि खेलती हैं, टॉप पर सोलर प्लांट जिसके द्वारा गरम पानी आदि मिलता है.... अद्भुत व्यवस्था है इस होस्टल की। होस्टल का अनुशासन तथा पवित्रता से भरपूर वातावरण देखकर मैं असीम शांति का अनुभव कर रहा था। किन शब्दों से प्रशंसा करूँ, समझ नहीं आ रहा था। इसके बाद मेरी जिज्ञासा कन्याओं से मिलने की थी। बहन मेरे मन की बात को समझ गई। उन्होंने कहा, अब मैं आपको होस्टल की कन्याओं से मिलवाती हूँ।

होस्टल में लगभग 150 कन्याएँ हैं, जो स्कूल-कॉलेज की शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक ज्ञान भी प्राप्त करती हैं। सम्पूर्ण भारतवर्ष से कन्याएँ इस होस्टल में योग्यता अनुसार एवं नियमानुसार प्रवेश पाती हैं। तेजस्वी कन्याओं से मुलाकात के दौरान मैंने पाया कि इनकी सादगी, सरलता, विनम्रता, स्नेह एवं मधुर वाणी सहज

शक्ति निकेतन की कुमारियाँ मल्लखम्भ करते हुए

ही आकर्षित करती है। इन्हें देखकर परमात्म स्मृति होने लगती है। कन्याओं से मैंने पूछा –

प्रश्नः- आपको यहाँ रहते हुए कैसा लगता है?

कन्याः- बहुत अच्छा लगता है।

प्रश्नः- आपको घर, माता-पिता एवं भाई-बहनों की याद नहीं आती है?

कन्याः- घर की याद मोह से वशीभूत हो आती है, जो बहुत दुख देती है। अब ऐसी दुख देने वाली याद समाप्त हो गई। यहाँ आकर हमें अद्भुत ज्ञान मिला कि हमारा असली पिता तो परमपिता परमात्मा शिव है और असली घर परमधाम है। हम सभी आत्माएँ हैं और इस आत्मिक भाव से

हमारे लौकिक संबंध बेहद सुखदायी बन गये हैं।

प्रश्न:- आप भारत के कोने-कोने से आते हैं, आप सबकी भाषा, संस्कृति और खान-पान अलग-अलग हैं फिर आप आपस में कैसे एडजेस्ट करते हैं?

कन्या:- जब हम सब एक ही ईश्वर की संतान हैं, आपस में भाई-भाई हैं तो एडजस्ट करना सरल लगता है।

प्रश्न:- इतनी छोटी उम्र में इतनी बड़ी-बड़ी बातें आप कैसे सीख जाती हैं?

कन्या:- होस्टल में हम केवल लौकिक पढ़ाई ही नहीं करते हैं किन्तु प्रतिदिन ईश्वरीय पढ़ाई एवं योगाभ्यास भी करते हैं।

प्रश्न:- यहाँ आपकी दिनचर्या क्या रहती है?

कन्या:- यहाँ छठी क्लास से लेकर कॉलेज तक की छात्राएँ रहती हैं। सुबह 4.00 बजे से 6.30 बजे तक नित्य कर्म, स्नान, मेडिटेशन, मुरली क्लास, नाश्ता आदि से निवृत्त हो स्कूल-कॉलेज के लिए जाते हैं। दोपहर का भोजन 10.30 से 1.30 बजे तक एवं रात्रि भोजन 7.30 से 9.00 बजे के मध्य होता है। होस्टल के नियम के अनुसार हम सभी कन्याएँ अन्नशुद्धि का व्रत लेती हैं। परमात्म स्मृति में बनाया हुआ भोजन ही स्वीकार करती हैं। यहाँ आवश्यकता की सभी वस्तुएँ हमें उपलब्ध कराई जाती हैं। होस्टल में 32 विभिन्न विभाग हैं, इन सभी के कार्यों में प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से सभी कन्याओं की भोजन बनाने, परोसने, कपड़े धोने आदि सभी प्रकार की ड्यूटी बारी-बारी लगाई जाती है। इसके अलावा कम्प्यूटर, पेंटिंग, नृत्य, गायन, वादन, कलाकृति, सिलाई-कढ़ाई एवं साफ-सफाई आदि भी हम लोग दीदियों से सीखते हैं।

ये बातें करते हुए मेरी नज़र प्रत्येक बच्ची पर थी, जो समूह के रूप में मेरे आसपास खड़ी थीं और सभी के चेहरे प्रफुल्लित थे। मुझे यह भी बताया गया कि एक सीनियर एवं एक जूनियर कन्या साथ-साथ रहती हैं जिससे सहज ही अनुभव एवं संस्कार ट्रांसफर हो जाते हैं। मुझे लग रहा था, अनुशासन के साथ-साथ नैतिकता का जो पाठ इन्हें पढ़ाया जा रहा है इससे ये फ़रिश्ते विश्व शांति और विश्व प्रेम का कार्य कर रहे हैं और निश्चित रूप से आगे चलकर ये नई दुनिया की स्थापना में अहम भूमिका अदा करेंगे।

यह होस्टल बहनों द्वारा ही संचालित है। सम्पूर्ण देखरेख बहनों द्वारा ही की जाती है। आज के इस युग में दो बच्चों की परवरिश करना दूभर है, यहाँ 150 बच्चियों की परवरिश नैतिकता एवं चरित्र के पाठ सिखाते हुए की जाती है। आज के युवक-युवतियों के लिए यह एक ऐसी पहेली है जिसकी शायद वे कल्पना भी नहीं कर सकते। आज के नौनिहाल मोबाइल, कम्प्यूटर, यू ट्यूब, ईमेल जैसी चकाचौंध भरी दुनिया में डूबे हैं और जिंदगी का सदुपयोग नहीं कर पा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ये नन्हें फ़रिश्ते नई दुनिया की स्थापना में संलग्न आसमान में सुराग करने का कार्य कर रहे हैं।

धन्य हैं वे माता-पिता जिनकी संतान यहाँ परवरिश पा रही हैं और धन्य हैं ब्रह्माकुमारी बहनें जो गुप्त रीति से परमात्मा के कार्य में संलग्न हैं। इन्हें कोटि-कोटि नमन्।

छात्रावास में नई कन्याओं के प्रवेश हेतु जनवरी माह से अप्रैल माह तक सम्पर्क कर सकते हैं। प्रवेश की प्रक्रिया मई-जून माह से प्रारंभ हो जाती है। अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें –

बी.के.करुणा
शक्ति निकेतन
ओमशांति भवन,
ज्ञान शिखर गेट नं.-2
33/4 न्यू पलासिया,
इन्दौर (म.प्र.) 452001
फोन नं. 0731-2531631
मो.09425316843,
08989600088
ईमेल :-
shaktiniketan@gmail.com